UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)
उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

B.A. Music (Instrumental-Tonal) 2nd Year Assignment
बी0ए0 संगीत(स्वरवाद्य) द्वितीय वर्ष सत्रीय कार्य

Last Date of Submission : 15thMay 2014 जमा करने की अन्तिम तिथि : 15 मई 2014

Course Title : Sangeet Shastra
कोर्स शीर्षक : संगीत शास्त्र
Year : 2013-14
सत्र : 2013–14

Course Code : B.A.M.I.-03/201
कोर्स कोड:बी0ए0एम0आई0–03/201
Maximum Marks : 40
अधिकतम अंक : 40

❖ **खण्ड़ क में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक नही होना चाहिए।**

खण्ड़ – क

1. पलुस्कर स्वरलिपि पद्धति को समझाते हुए इसकी तुलना भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति से कीजिए।
2. प्राग्ऐतिहासिक काल में संगीत की स्थिति पर प्रकाश डालिए।
3. निबद्ध गान, अनिबद्ध गान व जाति गायन को समझाइए।
3. स्वरवाद्यों के घरानों का संक्षिप्त वर्णन प्रस्तुत कीजिए।
5. पाठ्यक्रम के किन्हीं चार रागों का पूर्ण परिचय दीजिए एवं उनके स्वर विस्तार भी लिखिए।
6. भारतीय संगीत में तानसेन व अमीर खुसरो के योगदान पर चर्चा कीजिए।
7. पाठ्यक्रम की किन्हीं तीन तालों का परिचय देते हुए उनको दुगुन व चौगुन लयकारी सहित लिपिबद्ध कीजिए।
8. भारतीय संगीत में स्वरवाद्य विषय पर एक संक्षिप्त लेख लिखिए।

❖ **खण्ड़ ख में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं।**

खण्ड़ – ख

1. नाद, ग्राम व मूर्च्छना का विस्तृत वर्णन प्रस्तुत कीजिए।
2. पाठ्यक्रम के किन्हीं चार रागों में मसीतखानी गत को तोड़ो सहित लिपिबद्ध कीजिए।
3. शुद्ध राग, छायालग राग, संकीर्ण राग, पूर्वान्गवादी राग, उत्तरांगवादी राग, परमेल प्रवेशक व संधिप्रकाश राग को विस्तार से समझाइए।
4. पाठ्यक्रम के किन्हीं चार रागों में रजाखानी गत को तोड़ो सहित लिपिबद्ध कीजिए।